बुधग्रह के दान की वस्तुएँ—कांसे का पात्र, हरा वस्त्र, मूँगा, पन्ना, सुवर्ण, हाथी का दाँत, घृत, पुष्प, रत्न, कपूर आदि का दान सूर्योदयोपरान्त पाँच घड़ी होने पर ही करना चाहिए।

बृहस्पतिग्रह के दान की वस्तुएँ—पीला वस्त्र, पीले धान्य, पीला पुष्प, केला, सुवर्ण, घृत, पुखराज, शहद, नमक, शक्कर, भूमि, कमण्डलु और छाते का दान सन्ध्या के समय करना चाहिए।

शुक्रग्रह के दान की वस्तुएँ—सफेद चन्दन, चावल, श्वेत वस्त्र व श्वेत पुष्प, सुवर्ण, घृत, सुगन्धित द्रव्य, शक्कर, कपिला गौ आदि का दान अरुणोदय काल में करना चाहिए।

शनिग्रह के दान की वस्तुएँ—उड़द, सरसों का तेल, काला वस्त्र, कुलथी, लोहा, भैंस, काली गाय, काला पुष्प, शमी पत्र, कस्तूरी, सुवर्ण और नीलम आदि का दान मध्याह्न काल में करना चाहिए।

राहुग्रह के दान की वस्तुएँ—सप्तधान्य, माषान्न, हेमनाग, काली गाय, बकरी, काला पुष्प, नीला वस्त्र, तिल का तेल, कम्बल, ताम्रपात्र में काला तिल, घोड़ा, लोहा, श्वेत चन्दन और सूप का दान रात्रि के समय में करना चाहिए।

केतुग्रह के दान की वस्तुएँ—कस्तूरी, माषान्न, सप्तधान्य, काला फूल, तिल का तेल, सोना, लोहा, बकरी, शस्त्र और कम्बल का दान रात्रि के समय में करना चाहिए।

धारणार्थरत्नम्

सूर्य—माणिक्य। उपरत्नम्—विद्रुमः। धारणार्थऔषधिः—बिल्वमूल।
चन्द्र—मोती। उपरत्नम्